भारतीय अनुसूचित जनजाति के जनसंख्या का अध्ययन

संशोधक
मंगल नागोराव मारकड
स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विदयापीठ, नांदेड

मार्गदर्शक
प्राचार्य डॉ. जे. एस. भोयर
कै. बाबुराव पाटील कला व विज्ञान महाविद्यालय, हिंगोली

प्रस्तावना :

भारतीय समाज के जैसा विभिन्नता से सजा हुआ मानवसमाज आज की दुनिया मे बहुत ही कम देश में देखने का मिलता है | धर्म, भाषा, वंश कुल परंपरा और संस्कृती आदि मे भारतीयो की विभिन्नता यह समाजशास्त्रज्ञ और मानववंशशास्त्रज्ञ इनके अध्ययन का विशेष पसंदीदा विषय बना हुआ दिखाई देता है| तकरीबन दस लाख सालो पहले पृथ्वीपर मनुष्य का निर्माण हुआ| यह जीवशास्त्रज्ञो का दावाहै | तब से लेकर आज तक दुनिया के अलग अलग भागो मे अनेक मानव समुहोने विकास किया है | विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए नैसर्गिक साधनो का उपयोग करते हुए मानव ने अपनी बुध्दी का इस्तमाल करके विभिन्न वस्तू और उपकरण तयार किये उसके साथ आपस में विचार विनिमय के लिए भाषा का विकास किया है | परंतू सभी मानव समाज विकास के एक ही अवस्था में नही होता एक तरफ बहुत कम संख्या में मानव समाज विकास के उच्च शिखर पर पहुचा है | और दुसरी तरफ बहुत बडी संख्या में होनेवाला मानव समाज आज विकास से वंचित है |

आदिवासी लोग लगभग दुनिया के सभी भागो में मिल जाते है | विभिन्न देशो में उन्हें अलग अलग नामो से पुकारा जाता है | ऑस्ट्रेलिया में Aboriginals **या** Aborinels **युरोपीय देशो मे ' आदिवासी ' नाम से परिचित है | आफ्रिका खंड के बाद आदिवासी जनसंख्या के मामले में भारत का दुनिया में दुसरा नंबर लगता है | भारत में आदिवासी को मूल निवासी कहा जाता है | भारत के कुल जनसंख्या में से 8.62 प्रतिशत** (2011) **आदिवासी जनसंख्या है | भारतीय राज्यघटना के अनुसार आदिवासी लोगो को** (Scheduled Tribe) **अनुसूचित**

जनजाति ऐसे वर्गीकृत किया गया है | भारत के राष्ट्रपतीने भारतीय संविधान के कलम 342 केअनुसार प्रमाणित किए गए जनजाति को अनुसूचित जनजाति से पेहचाना जाता है |

संशोधन के उद्देश :

1. भारतीय अनुसूचित जनजाति के जनसंख्या का अध्ययन करना
2. विभिन्न राज्यों की अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या और उसके प्रतिशत का अध्ययन करना
3. भारत के अनुसूचित जनजाति के ग्रामीण और शहरी जनसंख्या का अध्ययन करना

संशोधन पध्दती

इस शोध निबंध में दुय्यम सामग्री का उपयोग किया गया है. जिस में मुख्य तोर पर संदर्भ ग्रंथ,नियत कालिक,सरकार के विभिन्न अहवाल और वेबसाईट के उपयुक्त आधार लिया गया है |

विशिष्ट समय में देश के स्त्रियो और पुरुषो की कुल संख्या को जनसंख्या कहते है |

भारत में 1961-2011 अनुसूचित जनजाति के जनसंख्या की स्थिती (लाखों में)

जनगणना वर्ष	कुल जनसंख्या	अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या	कुल जनसंख्या से अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत
1961	439.2	30.1	6.85
1971	547.9	38.0	6.93
1981	665.3	51.6	7.75
1991	838.6	67.8	8.10
2001	1028.6	84.3	8.2
2011	1210.8	104.3	8.61

Source : Statistical Profile of Scheduled Tribes In India 2013 Page no- 27

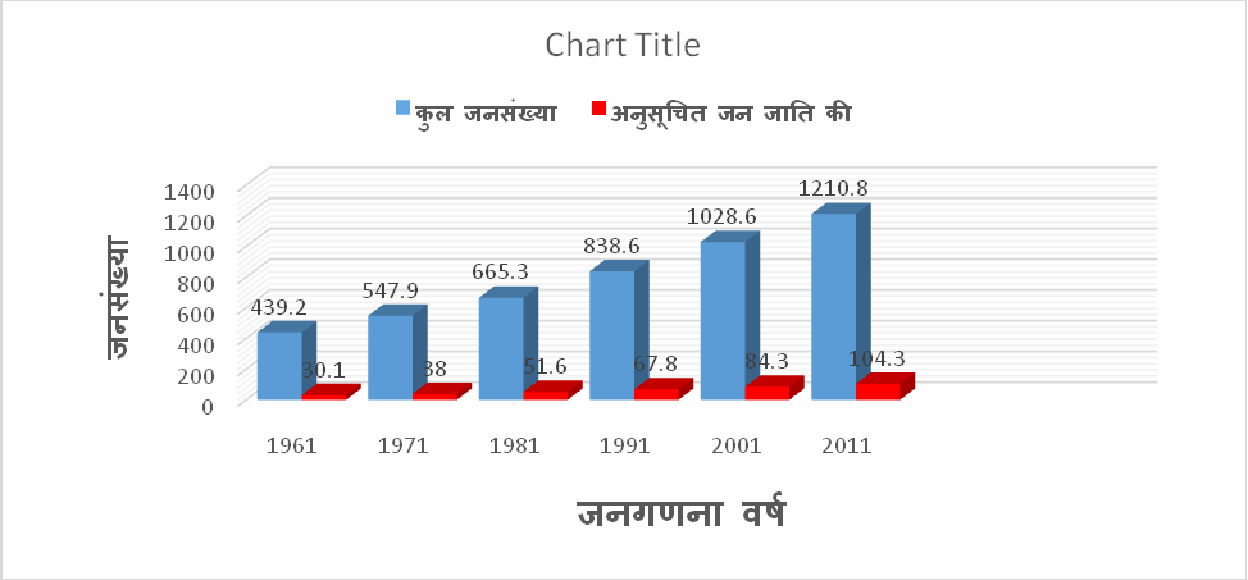

Source Statistical Profile of Scheduled Tribes in India 2013 Page No – 27

1961 **में भारत की कुल जनसंख्या 439.2 लाख थी और आदिवासी जनसंख्या 30.1 लाख थी उनका 6.85 प्रतिशत था| 1971 में अनुसूचित जनजातिकी जनसंख्या 38** (6.93%) **लाख थी| 1981 में 51.6** (7.75%) **लाख 1991 में 67.8** (8.10%) **लाख थी| 2001 में 84.3** (8.2%) **लाख थी और 2011 में भारत की कुल जनसंख्या 1210.8 लाख थी और आदिवासी की जनसंख्या 104.3 लाख थी कुल जनसंख्या सेअनुसूचित जनजाति 8.61 प्रतिशत थी |**

भारत की विभिन्न राज्यों अनुसार आदिवासी जनसंख्या की स्थिती (जनसंख्या : करोडो में)

अ.क्र	राज्य	कुल जनसंख्या	अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या	कुल जनसंख्या से अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत
1.	जम्मू और कश्मीर	1.25	0.14	11.9
2.	हिमाचल प्रदेश	0.68	0.39	5.7
3.	सिक्किम	0.06	0.12	33.8
4.	अरूणाचल प्रदेश	0.13	0.09	68.8
5.	राजस्थान	6.85	0.92	13.5
6.	मणिपुर	0.27	0.09	35.1
7.	नागालैण्ड	0.19	0.17	86.5

8.	मिजोरम	0.109	0.103	94.4
9.	त्रिपुरा	0.36	0.11	31.8
10.	मेघालय	0.29	0.25	86.1
11.	आसाम	3.12	0.38	12.4
12.	झारखंड	3.29	0.86	26.2
13.	छत्तीसगढ	2.55	0.78	30.6
14.	मध्य प्रदेश	7.25	1.53	21.1
15.	ओडिशा	4.19	0.95	22.8
16.	गुजरात	6.04	0.89	14.8
17.	महाराष्ट्र	11.23	1.05	9.4
18.	आंध्र प्रदेश	8.45	0.59	7.0
19.	दादरा और नगर हवेली	0.03	0.01	52.2
20.	लक्षव्दिप	0.06	0.061	94.8
21.	अंण्डमान और निकोबार	0.03	0.02	7.5

Source : Censes of India-2011 Primary Census Abstract in India.

उपयुक्त तालिका में विभिन्नो राज्यों की आदिवासी जनसंख्या और उनका प्रतिशत दिया गया है| मिजोरम में 94.4% **आदिवासी जनसंख्या है | मेघालय में 86% है नागालैण्ड में** 86.5% **है| केंद्रशासित प्रदेश लक्षव्दिप आदिवासी जनसंख्या 94.8% है | दिप एवं दमन में 6.3** % **है. अंण्डमान और निकोबार में 7.5** % **है दादरा एवं नगर हवेली में 52.2% आदिवासी जनसंख्या है |**

भारत के विभिन्न राज्यों में अनुसूचित जनजाति का जनसंख्या का प्रतिशत वितरण 2011

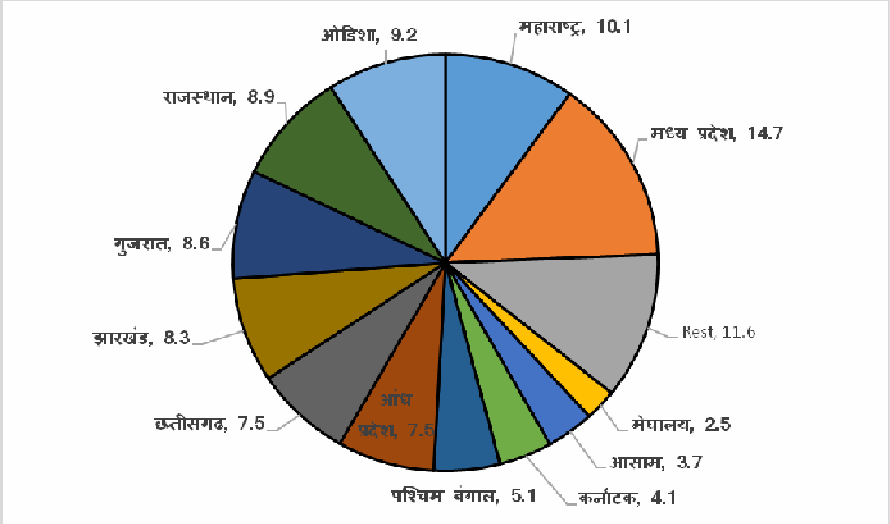

Source : Presentation Scheduled Tribes In India Census 2011 by Register General oF India May 2013 Statistical Profile of Scheduled Tribes In India 2013 Page 28

उपयुक्त चित्र में भारत के विभिन्न राज्यो के अनुसार आदिवासी जनसंख्या का प्रतिशत वितरण दिया गया है| मध्यप्रदेश में आदिवासी जनसंख्या का वितरण 14.7% है| महाराष्ट्र में 10.1 % है ओडिशा मे 9.2% राजस्थान में 8.9 %गुतरात में 8.6 % है झारखंड में 8.9 % है छत्तीसगढ़ में 7.5 आंध्र प्रदेश में 5.7 पश्चिम बंगाल में 5.1 कर्नाटक 4.1 आसाम में 3.7 मेघालय में 2.5 है और बाही बचे हुए राज्यों में 11.6 आदिवासी जनसंख्या का वितरण है |

अनुसूचित जनजाति की शहरी और ग्रामीण जनसंख्या 1961-2011 (जनसंख्या : लाखो में)

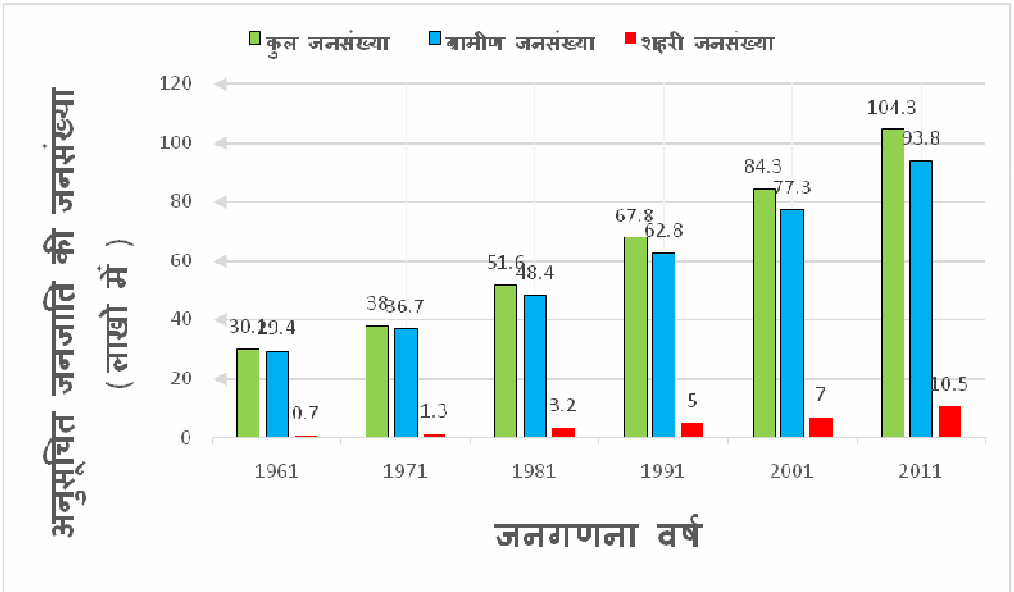

Source :Presentation Scheduled Tribes In India-Census 2011 by R Statistical Profile of Scheduled Tribes In India-Census 2013 Page No-30

उपयुक्त चार्ट से अनुसूचित जनजाति की शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में रहनेवाली जनसंख्या का पता चलता है| 1961 में भारत की कुल आदिवासी जनसंख्या 30.1 लाख थी उनमें से 29.4 लाख जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में रहती थी और सिर्फ 0.7 लाख जनसंख्या शहरो में रहती थी| 1971 में 38 लाख आदिवासी की कुल जनसंख्या थी उनमें से 36.7 लाख ग्रामीण क्षेत्र में रहती थी और 1.3 लाख जनसंख्या शहरो में रहती थी |1981 में 51.6 लाख कुल आदिवासी जनसंख्या थी उनमें से 48.4 लाख जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में और सिर्फ 3.2 लाख जनसंख्या शहरो मे रहती थी |1991में 67.8 लाख कुल जनसंख्या में से 62.8 लाख ग्रामीण क्षेत्र और 5 लाख शहरो में रहती थी | 2001 में 84.3 लाख कुल आदिवासी जनसंख्या में से 77.3 लाख ग्रामीण क्षेत्र में और 7 लाख शहरी क्षेत्र में रहती थी| 2011 में 104.3 कुल जनसंख्या में से 93.8 लाख जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में थी और 10.5 लाख जनसंख्या शहरो में रहती थी उपयुक्त चार्ट से यह पता चलता हे की ज्यादा से ज्यादा आदिवासी जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में ही रहती है और शहरो मे बहुत कम रहती है|

निष्कर्ष :

1. पंजाब हरियाणा पुदुचेरी चंण्डीगढ इन राज्यों में आदिवासी जनसंख्या नही है |
2. आदिवासी लोग शहरो में बहुत कम रहते है इसलिए उनका विकास भी धिमी गती से होता है |
3. कुल जनसंख्या सें अनुसूचित जणजाति का अनुपात सबसे ज्यादा केंद्रशासित प्रदेश लक्षव्दीप में (94.8) है और राज्यों मे मिजोरम में (94.4) है |

संदर्भ

1. Census of India -2011 Primary Census Abstract in India
2. www.tribal.nic.in
3. Tribal profile at a Glance May 2014
4. Statistical Profile of Scheduled Tribes In India 2013